

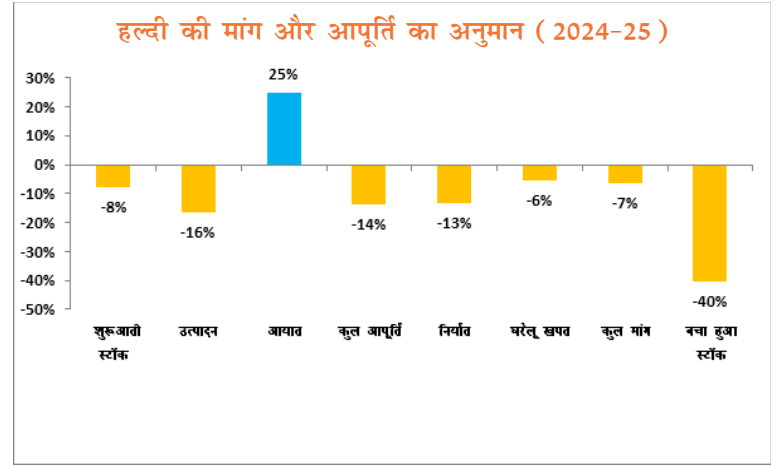
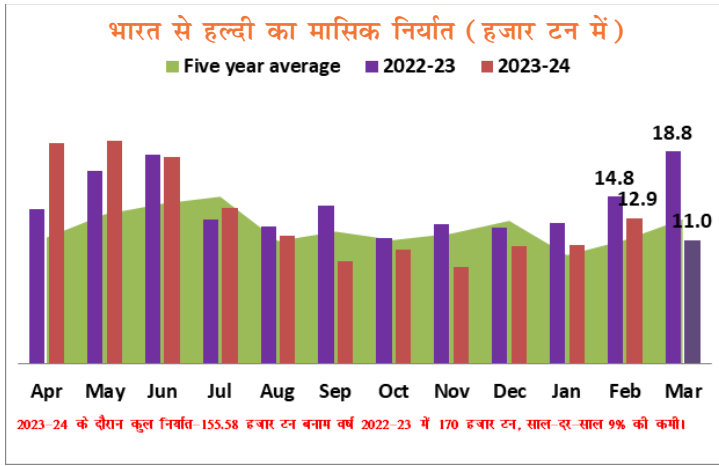
मासिक रिपोर्ट



मई 2024



- सप्लाई की तंगी की चिंता को देखते हुए अप्रैल के अधिकांश समय में हल्दी की कीमतों में तेजी रहीं, क्योंकि कम उत्पादन क्षेत्र और उपज के कारण उत्पादन में उल्लेखनीय रूप से कमी आने का अनुमान है। रकबा साल-दर-साल लगभग 10% कम होकर 3 लाख हेक्टेयर रह गया, जिसके कारण बाजार वर्ष 2024-25 में उत्पादन 9.71 लाख टन तक कम हो गया।
- कटाई की गतिविधियां पूरी हो चुकी हैं और आवक जोरों पर है तथा इसके और बढ़ने की संभावना है जिससे आने वाले हफ्तों में समग्र आपूर्ति पर्याप्त रहेगी। आपूर्ति में और वृद्धि होने की उम्मीद है क्योंकि किसानों को खेती की लागत से अधिक अच्छा मुनाफा मिल रहा है।
- लेकिन कुल मिलाकर आवक की गति पिछले वर्ष की तुलना में धीमी रही है। पिछले वर्ष के 73.25 हजार टन के मुकाबले अप्रैल-24 में प्रमुख पीएमसी मंडियों में लगभग 24.67 हजार टन हल्दी की आवक हुई।
- हल्दी की कुल आपूर्ति में साल-दर-साल 16% की कमी होने की संभावना है, जिससे कीमतों में बड़ी गिरावट पर रोक लगने की संभावना है।
- कीमतें कई वर्षों के उच्चतम स्तर पर होने के कारण खरीदारी गतिविधियां सीमित हो गई हैं। न केवल घरेलू मांग सुस्त रही है, बल्कि मौजूदा स्तर पर निर्यात मांग भी मध्यम रही है, जो यहां कीमतों में प्रमुख बढ़त को रोक सकती है।
- फरवरी-24 में भारत से हल्दी का निर्यात 12% कम होकर 12.92 हजार टन हो गया, जबकि अप्रैल-23-फरवरी-24 के दौरान कुल निर्यात पिछले वर्ष से 4.4% कम होकर 144.58 हजार टन दर्ज किया गया। स्थानीय खरीदारों ने नई फसल की आपूर्ति में वृद्धि की उम्मीद में आवश्यकतानुसार खरीदारी को प्राथमिकता दी।



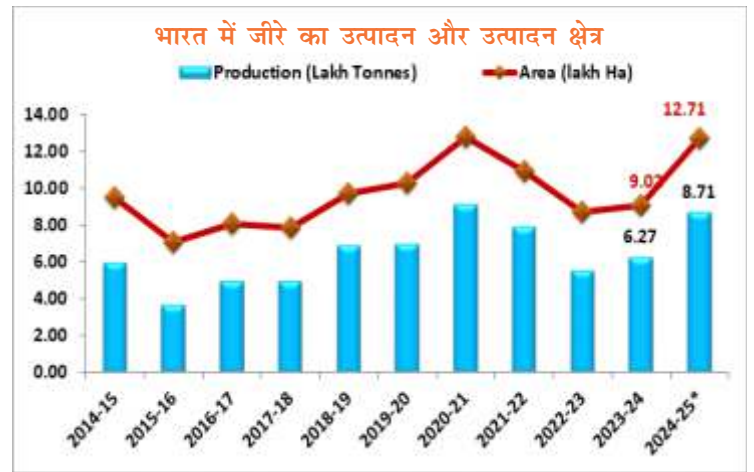
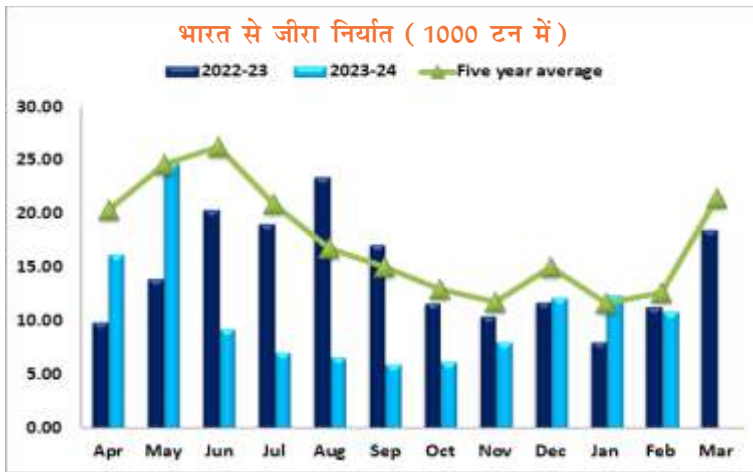
हल्दी का मासिक चार्ट



हल्दी की कीमतों के 17100-20600 के दायरे में कारोबार करने की संभावना है।

जीरा

- बाजार में मजबूत निर्यात पूछताछ के कारण अप्रैल में जीरा वायदा में तेज वृद्धि देखी गई। कम कैरी फॉरवर्ड स्टॉक और त्योहारी एवं शादी के मौसम में बढ़ती मांग ने कीमतों को तेजी के रूझान के साथ कारोबार करने में मदद की। जीरा की कीमतों को 21320 का समर्थन प्राप्त है और खरीदारी गतिविधियों में सुधार के कारण तेज रिकवरी देखी गई। मध्य पूर्व क्षेत्र में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव के बाद वैश्विक स्तर पर व्यापार व्यवधान के कारण भारतीय जीरा की निर्यात मांग में वृद्धि देखने को मिली।
- अप्रैल-23-फरवरी-24 की समय अवधि के दौरान भारत से जीरा निर्यात में साल-दर-साल 23.7% की कमी दर्ज की गई, लेकिन आने वाले महीनों में इसके बढ़ने की उम्मीद है। जीरा की निर्यात मौसमी स्थिति से पता चलता है कि अप्रैल-मई की समय अवधि के दौरान निर्यात अधिक रहता है
- शादी के मौसम की बेहतर मांग और होटल और रेस्तरां द्वारा बढ़ती स्थानीय खरीदारी से कीमतों को तेजी के रूझान के साथ कारोबार करने में मदद मिली। लेकिन बढ़ती आवक का दबाव कीमतों में बढ़त को सीमित कर देगा।
- पिछले वर्ष की तुलना में अप्रैल-24 में अब तक आवक लगभग 28% अधिक रही है। भारत भर की प्रमुख एपीएमसी मंडियों में लगभग 45 हजार टन जीरा पहुंचा। मौजूदा दर पर निर्यात मांग बढ़ने की उम्मीद है जिससे जीरा की कीमतों में तेजी को मदद मिलेगी। भारत ने फरवरी-24 में 10.96 हजार टन जीरा का निर्यात किया, जबकि पिछले साल यह 11.36 हजार टन था, जो साल-दर-साल 3.4% कम है।
- जीरे का कुल उत्पादन साल-दर-साल 41% अधिक होने का अनुमान है, जो पिछले वर्ष के 9.02 लाख टन की तुलना में 12.7 लाख टन हो सकता है। बंपर उत्पादन का अनुमान आने वाले दिनों में जीरा की बड़ी बढ़त पर लगाव लगाएगा।



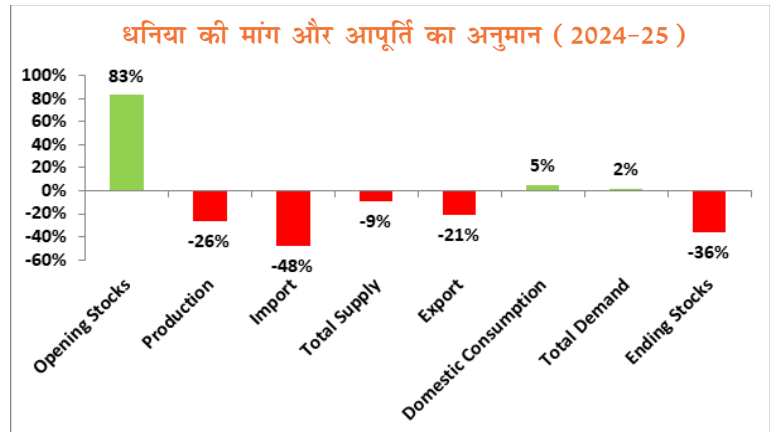
जीरा का मासिक चार्ट



आने वाले हफ्तों में जीरा की कीमतों के 20300-33500 के बीच रहने की संभावना है।

धनिया

- बाजार में पर्याप्त आपूर्ति की स्थिति के मद्देनजर धनिया की कीमतें नरमी के साथ कारोबार कर रही थीं, जिससे भारी स्टॉक और नई फसल की बढ़ती आपूर्ति के मद्देनजर खरीदार थोक खरीदारी से दूर रहे।
- एनसीडीईएक्स पर धनिया की कीमतें अप्रैल-24 में 7430 पर बंद हुईं, जो पिछले महीने के उच्चतम स्तर 8414 से लगभग 12% कम है। मार्च-24 में नई फसल की बढ़ती आवक के दबाव ने खरीदारों को थोक खरीद से दूर रखा। लेकिन मार्च-24 की तुलना में अप्रैल-24 में कुल आवक 41% कम हो गई है क्योंकि किसान कीमतों में और वृद्धि की उम्मीद में अपने स्टॉक को जारी करने के लिए अनिच्छुक हैं।
- गुजरात और राजस्थान में रकबे में तेज गिरावट के साथ कुल उत्पादन क्षेत्र वर्ष-दर-वर्ष 23% की कमी के साथ 5.5 लाख हेक्टेयर होने का अनुमान है। बुआई में साल-दर-साल क्रमशः 41% और 48% की कमी आई।
- वर्ष 2024-25 में धनिया का कुल उत्पादन 26% कम होकर 7.2 लाख टन होने का अनुमान है।
- चीन, मलेशिया, संयुक्त अरब अमीरात और बांग्लादेश से बढ़ती मांग के साथ वर्ष 2023-24 में भारत से धनिया निर्यात में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। भारतीय धनिये का सबसे बड़ा आयातक होने के नाते चीन ने अप्रैल-23-फरवरी-24 के दौरान लगभग 35.05 हजार टन धनिया का आयात किया, जबकि पिछले वर्ष यह 4.8 हजार टन आयात किया था।
- नवीनतम सरकारी आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, फरवरी-24 में धनिया का निर्यात साल-दर-साल 35% बढ़कर 4.6 हजार टन हो गया। अप्रैल-23-फरवरी-24 की समय अवधि के दौरान धनिया का कुल निर्यात 71.18 हजार टन तक पहुंच गया। कमजोर आपूर्ति की आशंका के कारण धनिया में मजबूती बरकरार रहने की संभावना है क्योंकि रकबा और उपज में गिरावट के कारण उत्पादन में साल-दर-साल लगभग 10-15% की कमी होने की संभावना है।
- अधिक उत्पादन के साथ पर्याप्त घरेलू आपूर्ति के कारण बाजार वर्ष 2023-24 में फरवरी 2024 तक धनिया के आयात में 5% की गिरावट हुई। भारत ज्यादातर धनिये का आयात रूस, इटली और बुल्गारिया से करता था।



धनिया का मासिक चार्ट



धनिया की कीमतों के 6900-8400 के दायरे में रहने की संभावना है।

वंदना भारती	एवीपी कमोडिटी रिसर्च	फोन न. 011-30111000	एक्सटें. 625	vandanabharti@smcindiaonline.com
रवि पाण्डेय	सीनियर रिसर्च एनालिस्ट	फोन न. 011-30111000	एक्सटें. 674	ravi16@smcindiaonline.com
शिवानन्द उपाध्याय	रिसर्च एसोसिएट	फोन न. 011-30111000	एक्सटें. 646	shivanand@smcindiaonline.com

आप इस रिपोर्ट को हमारी वेबसाइट पर भी देख सकते हैं- www.smctradeonline.com



Corporate Office:
11/6B, Shanti Chamber,
Pusa Road, New Delhi - 110005
Tel: +91-11-30111000
www.smcindiaonline.com

Mumbai Office:
Lotus Corporate Park, AWing 401 / 402, 4th Floor,
Graham Firth Steel Compound, Off Western
Express Highway, Jay Coach Signal, Goreagon
(East) Mumbai - 400063
Tel: 91-22-67341600, Fax: 91-22-67341697

Kolkata Office:
18, Rabindra Sarani, Poddar Court, Gate No-4,
5th Floor, Kolkata-700001
Tel.: 033 6612 7000/033 4058 7000
Fax: 033 6612 7004/033 4058 7004

प्रतिभूति बाजार में निवेश बाजार को जोखिमों के अधीन है। निवेश करने से पहले सभी संबंधित दस्तावेजों को ध्यान से पढ़ लें। सेबी द्वारा दिया गया पंजीकरण और एनआईएसएम से प्रमाणन किसी भी तरह से मध्यस्थ के प्रदर्शन की गारंटी नहीं देता है या निवेशकों को रिटर्न का कोई आश्वासन नहीं देता है। उद्धृत प्रतिभूतियां केवल उदाहरण के लिए हैं और अनुशांसात्मक नहीं हैं। एसएमसी सेबी द्वारा पंजीकृत एक अनुसंधान विश्लेषक है जिसका पंजीकरण संख्या आईएनएच 100001849 है। सीआईएन: L74899DL1994PLC063609 है।

एसएमसी ग्लोबल सिक्वोरिटीज लिमिटेड (जिसे एसएमसी कहा जाता है) का नियमन भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड द्वारा किया जाता है और इसे ब्रॉकिंग व्यवसाय, डिपॉजिटरी सेवाओं और संबंधित सेवाओं करने का लाइसेंस प्राप्त है। एसएमसी ग्लोबल सिक्वोरिटीज लिमिटेड नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड, बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड, एमएसईआई (मेट्रोपॉलिटन स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड) का रजिस्टर्ड सदस्य है और एम/एस एसएमसी कॉमिट्यू नेशनल कमोडिटी एवं डेरिवेटिव्स एक्सचेंज लिमिटेड और मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज ऑफ इंडिया और भारत के अन्य कमोडिटी एक्सचेंजों का रजिस्टर्ड सदस्य है। इसकी सहयोगी एमसीएस स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड का सदस्य है। एसएमसी सीडीएसएल (CDSL) और एनएसडीएल (NSDL) के साथ डिपॉजिटरी भागीदार के रूप में भी रजिस्टर्ड है। एसएमसी के अन्य एसोसिएट सेबी और भारतीय रिजर्व बैंक के साथ मर्चेंट बैंकर, पोर्टफोलियो मैनेजर के रूप में रजिस्टर्ड है। यह म्यूचुअल फंड डिस्ट्रीब्यूटर के रूप में एसएफआई (AMFI) में भी रजिस्टर्ड है।

एसएमसी ग्लोबल सिक्वोरिटीज लिमिटेड सेबी (रिसर्च एनालिस्ट) रेगुलेशन 2014 के तहत रिसर्च एनालिस्ट के लिए रजिस्ट्रेशन संख्या INH100001849 के साथ रजिस्टर्ड संस्था है। एसएमसी ग्लोबल सिक्वोरिटीज लिमिटेड या इसके सहयोगियों को सेबी द्वारा अन्य किसी रेगुलेटरी एथॉरिटी द्वारा सिक्वोरिटीज मार्केट/कमोडिटी मार्केट में कारोबार के लिए प्रतिबंधित/निलंबित नहीं किया गया है। रिपोर्ट में रिसर्च एनालिस्टों द्वारा व्यक्त की गई राय केवल सार्वजनिक रूप से प्राप्त सूचनाओं/इंटरनेट आंकड़ों/अन्य विश्वसनीय स्रोतों, जिन्हें सत्य माना जाता है, पर आधारित है। एसएमसी रिपोर्ट में व्यक्त राय या सामग्री को शुद्धता को लेकर कोई आश्वासन नहीं देता है और निवेशकों को सलाह दी जाती है कि निवेश के लिए कोई भी निर्णय करने से पहले बाजार की परिस्थितियों/जोखिमों का स्वतंत्र रूप से मूल्यांकन करें। रिसर्च एनालिस्ट, जिन्होंने इस रिपोर्ट को तैयार किया है, एतद्वारा प्रमाणित किया जाता है कि इस रिपोर्ट में विशेष कमोडिटी के संदर्भ में व्यक्त किया गया विचार/राय उनके निजी स्वतंत्र विचार/राय है।

दिसक्लेमर: यह रिसर्च रिपोर्ट अधिकृत प्राप्तकर्ता को व्यक्तिगत सूचना के लिए है और इसका निवेशक को किसी निवेश, विधि एवं कर संबंधी परामर्श से संबंध नहीं है। यह केवल प्राइवेट सब्सक्रिप्शन एवं उपयोग के लिए है। यह रिपोर्ट विस्तृत सूचनाओं पर आधारित है लेकिन यह पूरी तरह सही और पूर्ण है, ऐसा जरूरी नहीं और इस पर पूरी तरह भरोसा नहीं किया जाना चाहिए। रिपोर्ट के कन्टेन्ट के आधार पर कोई कार्य नहीं किया जा सकता है। इस रिपोर्ट को एसएमसी से लिखित आज्ञा के बिना किसी भी रूप में नकल एवं किसी भी अन्य व्यक्ति को पुनः वितरण नहीं किया जाना चाहिए। इस सामग्री का कन्टेन्ट सामान्य है और यह न तो पूरी तरह से व्यापक है और न विस्तृत है। इस रिपोर्ट के आधार पर उठाये गये किसी कदम से होने वाली क्षति या नुकसान के लिए न तो एसएमसी और न इसका कोई संबंधी, सहायक, प्रतिनिधि, डॉयरेक्टर या कर्मचारी को उत्तरदायी ठहराया जाना चाहिए। यह कोई व्यक्तिगत अनुमोदन नहीं करता या किसी खास निवेश उद्देश्य, वित्तीय स्थिति या किसी व्यक्तिगत ग्राहक या कॉर्पोरेट या सत्ता की जरूरतों को लेकर नहीं चलता है। सभी निवेश जोखिमपूर्ण होते हैं एवं पिछला प्रदर्शन भविष्य के किसी प्रदर्शन की गारंटी नहीं देता है। निवेश की वैल्यू और उससे प्राप्त आमदनी एक निश्चित समय में उपलब्ध कुछ बड़े एवं सूक्ष्म कारकों के बदलाव पर निर्भर कर सकती है। निवेश का निर्णय लेते समय किसी भी व्यक्ति को अपने विवेक का इस्तेमाल करना चाहिए।

कृपया ध्यान रखें कि हम या हमारा कोई अधिकारी, सहायक, प्रतिनिधि, डॉयरेक्टर या कर्मचारी, जो भी इस रिपोर्ट को बनाने या भेजने में शामिल है उसकी (अ)समय-समय पर किसी भी कमोडिटीज में, जिनका इस रिपोर्ट में जिक्र किया गया है, खरीद या विक्री, कोई भी पॉजिशन हो सकती है और यह इस कमोडिटीज को खरीद या विक्री कर सकता है या (ब) साथ ही साथ वह इन कमोडिटीज के किसी भी प्रकार के सौदों में और ब्रोकरेज या अन्य प्रकार के प्रतिकार में अथवा बाजार निर्माण में शामिल हो सकता है, (स) इस रिपोर्ट में दिए गये सुझावों और संबंधित सूचनाओं एवं विचारों के संदर्भ में इनका अपना कोई भी निहित स्वार्थ या विवाद हो सकता है। सभी विवादों का निपटारा अंतिम रूप से दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायाधीश होगा।